SLCM GROUP IN NEWS:

Publication	Date	Edition	Page No
Amrit India	April 09, 2025	New Delhi	7

निर्भय-निष्पक्ष-निरन्तर
अमृत इंडिया
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

व्यवसाय के साथ-साथ सामाजिक कल्याण भी एसएलसीएम का मंत्र : संदीप सभरवाल

नई दिल्ली।

भारत की सबसे बड़ी पोस्ट-हार्वेस्ट लॉजिस्टिक्स एंड एग्री-सॉल्यूशंस कंपनी सोहन लाल कमोडिटी मैनेजमेंट ने एक बहुपक्षीय सीएसआर प्रोग्राम के विस्तार की घोषणा की है। यह प्रोग्राम शिक्षा, कौशल विकास और सामाजिक कल्याण के कार्यक्रमों से बच्चों, युवाओं तथा महिलाओं को सशक्त करने के लिए है। पहल के तहत अगली पीढ़ी के लिए निवेश होगा और कमजोर समुदायों को सहयोग मिलेगा। एसएलसीएम ग्रुप ने महत्वपूर्ण क्षेत्रों में यह कार्यक्रम शुरू करने के लिये विभिन्न एनजीओ तथा जमीनी-स्तर के संगठनों के साथ भागीदारी की है। इनमें साईं संस्कार फाउंडेशन, उरिवी विक्रम चैरिटेबल ट्रस्ट, आलोक चैरिटेबल ट्रस्ट और अर्थ सेवियर फाउंडेशन शामिल हैं।

इस पहल के माध्यम से एसएलसीएम ग्रुप ने तीन प्रोग्राम लॉन्च किये हैं। इसके अंतर्गत उत्तराखंड के पिथौरागढ़ और देवीधुरा के स्थानीय स्कूलों में भौतिकी की प्रयोगशालाएं बनाकर अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा तक पहुँच को बढ़ाना। और वंचित विद्यार्थियों को स्कूल में काम आने वाली चीजों, जैसे कि किताब, स्टेशनरी, बैग, आदि से सहयोग भी मिलेगा। आगे बताते हुए एसएलसीएम के ग्रुप सीईओ संदीप सभरवाल ने कहा कौशल विकास के अंतर्गत एवं युवाओं के सशक्तिकरण के लिए एसएलसीएम ग्रुप ने एक व्यापक पहल के तहत दिल्ली के भीतर विद्यार्थियों, शिक्षकों और समुदायों के कैरियर पर केन्द्रित प्रशिक्षण एवं परामर्श दिया जाएगा। इस पहल में कैरियर में उन्नति और ग्राहकों के साथ संबंधों के प्रबंधन के लिए डिजिटल टूल्स, स्कूल लीडर्स के लिए वर्कशॉप, कैरियर में मार्गदर्शन करने वाले सत्रों समेत पहुँच के लिए विस्तृत गतिविधि आदि शामिल हैं।सामाजिक कल्याण के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ एवं सुरक्षा पर जागरूकता सत्रों की एक श्रृंखला चल रही है। इसके तहत बुलंदशहर के गंगागढ़ गांव में सैनिटरी नैपकिन्स सुलभ बनाये जा रहे हैं और परामर्श तथा तंदुरुस्ती के लिए कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। दिल्ली एनसीआर में एसएलसीएम ने गतिशीलता की चुनौतियों वाले लोगों को इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर प्रदान की हैं। इसके लिए हम शिक्षा की कमियों को दूर करेंगे और कौशल विकास को बढ़ावा देंगे। हम इसे भारत के भविष्य में निवेश के तौर पर देखते हैं।